बाबा रामदेव नहीं उद्योगपति रामदेव कहिए, अब रखा टेलीकॉम इंडस्ट्री में कदम

जनज्वार। अंबानी के जियो की टक्कर में आया रामदेव का स्वदेशी समृद्धि सिम कार्ड, स्वदेशी खान—पान, व्यायाम, दवा के बाद लुभावने ऑफरों के साथ किया इस इंडस्ट्री का रुख

योग से चर्चित हुए रामदेव ने पहले दवाओं, उसके बाद खाद्य इंडस्ट्री और अब टेलीकॉम सेक्टर में भी कदम रख लिया है। कहा जा रहा है कि टेलीकॉम सेक्टर में वह सीधे—सीधे बिजनैस टाइकून और उद्योगपति मुकेश अंबानी को टक्कर देंगे।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले जियो को मार्केट में उतारकर अंबानी ने इंटरनेट क्रांति ला दी है। जियो के आने के बाद पहले से इस इंडस्ट्री में राज कर रहे एयरटेल, वोडाफोन, आइडिया समेत तमाम कंपनियों को अपने रेटों को गिराना पड़ा था ताकि इस सेक्टर पर एकछत्र जियो राज न करे।

अब जियो के मुकाबले में योग को प्रचारित—प्रसारित करने के लिए ख्यात रामदेव ने भी पतंजलि सिम लांच कर दिया है। रामदेव ने पतंजलि ब्रांड के तहत भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) के साथ मिलकर टेलीकॉम इंडस्ट्री में कदम रखा है।

इस सिमकार्ड का नाम 'स्वदेशी समृद्धि सिम कार्ड' नाम रखा गया है। हालांकि शुरुआत में यह सिमकार्ड सिर्फ पतंजलि के कर्मचारियों को उपलब्ध कराया जाएगा, मगर बाद की योजना के तहत इसका विस्तार कर सिम कार्ड सभी ग्राहकों के लिए पेश करने की योजना है।

रामदेव के स्वदेशी सिम कार्ड के लिए ग्राहकों को 144 रुपये का रीचार्ज कराना होगा, जिसमें 2GB डेटा के साथ अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधा रहेगी। डेटा और कॉलिंग की सुविधा के साथ ग्राहकों को रोजाना 100 एसएमएस भी मिलेंगे। यही नहीं इस लुभावने ऑफर के तहत टेलीकॉम इंडस्ट्री में अपने कदम जमाने के लिए ग्राहकों को पतंजलि प्रोडक्ट्स पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त डिस्काउंट देने की योजना पर भी काम किया जा रहा है।

जियो की टक्कर का इसे इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि शुरुआत में काफी दिनों तक जियो ने भी अपने ग्राहकों को मुफ्त कॉलिंग और अनलिमिटेड इंटरनेट, मैसेजेज की सुविधा दी थी। बाबा रामदेव के सिमकार्ड के उपभोक्ताओं को 2.5 लाख रुपये तक का मेडिकल इंश्योरेंस और 5 लाख रुपए तक का लाइफ इंश्योरेंस देने का लुभावना ऑफर भी है। 'स्वदेशी समृद्धि सिम कार्ड' की लॉचिंग के अवसर पर बाबा रामदेव ने कहा, 'बीएसएनएल एक स्वदेशी नेटवर्क है और पतंजलि और बीएसएनएल का लक्ष्य देश की सेवा करना है। इसके जरिए कंपनी का लक्ष्य चैरिटी करना है। हमारा नेटवर्क ना सिर्फ सस्ता डेटा और कॉल पैकेज देगा, बल्कि लोगों को हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस की सुविधा भी देगा।'

गौरतलब है कि इस सिम के साथ जो इंश्योरेंस दिया जा रहा है, वह सिर्फ रोड एक्सीडेंट होने पर ही कवर किया जाएगा। शुरुआत में पतंजलि के कर्मचारी अपना आईडी कार्ड दिखाकर शुद्ध स्वदेशी सिमकार्ड खरीद सकते हैं।

लोग रामदेव के स्वदेशी सिमकार्ड के तरह—तरह से मजे भी लेने लगे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट पर स्वदेशी सिमकार्ड पर आसिफ रजा ने ट्वीट किया है, 'आपने पतंजलि के क्रीम, पाउडर, साबुन, बिस्किट, आटा इत्यादि प्रोडक्ट्स को तो देखा ही होगा लेकिन अब पतंजलि सिम कार्ड भी आ गया है। अब आप सोच रहे होंगे ये भी हर्बल होगा। पर जनाब ये हर्बल तो नहीं लेकिन स्वदेशी जरूर है। दरअसल इसका नाम है स्वदेशी समृद्धि सिम कार्ड।'

कोई कह रहा है क्या स्वदेशी सिमकार्ड में गोबर और गोमूत्र का प्रयोग किया होगा, क्योंकि इन दोनों के बिना यह स्वदेशी कैसे होगा। और भी तरह तरह की टिप्पणियां सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं।

पेज एक का शेष

मंत्री गोयल काम-काज नहीं.....

डिस्पेंसरियां दिखावा मात्र बन कर रह गयी हैं। तमाम सरकारी स्कूलों का जैसा बेड़ा ग़र्क हुआ पड़ा है, वह आजकल में बोर्ड परीक्षा के परिणामों से जाहिर है। पेयजल एवं सीवर की स्थाई समस्या से जनता लगातार जूझ रही है। सरकारी कर्मचारी महंगाई की मार से तंग आकर आये दिन हड़ताल करने को मजबूर हैं। ऐसे में सरकारी नेताओं के भाषणों से कहीं ज़्यादा बाबों के प्रवचन एवं कथाओं से लोग़ों को शान्त रखने पर दांव लगाना गोयल को ठीक लगा होगा।

बेशक एक के बाद एक बाबे आजकल जेलों की शोभा बढा रहे हैं, लेकिन देश में बाबों की कोई कमी थोड़े ही है। नेताओं को आशीर्वाद देने के लिये नित नये बाबे तैयार घूम रहे हैं। नेताओं द्वारा आशीर्वाद लेने एवं उनकी चरणवंदना करने से बाबों की दुकान भी अच्छी खासी चलती है। इससे प्रेरित होकर वोट की राजनीति ज़्यादा से ज़्यादा बाबों की पहुंच में दिखती है।

सोशल मीडिया में एक वीडियो काफ़ी समय से प्रचलित है जिसमें आसाराम की चरणवंदना करते हुये तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवानी, मुरली मनोहर जोशी तथा वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिखाया गया है। ऐसे नेताओं की वजह से समाज में इन बाबों का कद इतना बड़ा हो जाता है कि फ़िर राम रहीमों और रामपालों को नियन्त्रित करने के लिये भारी बल प्रयोग करना पड़ता है जिसमें अनेकों बेगुनाह भी मारे जाते हैं।

मंत्री गोयल के मुरारी बापू शो से साफ़ है कि सत्ता की मलाई खाने के लिये धर्म के टुकड़े फ़ेंक कर जनता को उल्लू बनाने की परम्परा में राजनेताओं की दिलचस्पी बनी रहेगी।

कलयुग की चर्चा क्यों नहीं करते मुरारी बापू.....

कमी नहीं दिखी। अन्धविश्वासी समाज की जड़े इसी दबाव रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी बढ़ती रहती हैं और हमारे नवयुवकों की तार्किक शक्ति को सतयुग, त्रेता, द्वापर के दरवाजों के पीछे छुपा देती हैं।

भगवान् स्वरूप बाबाओं के काले कारनामे आये दिन समाचारों में देखने पढ़ने को मिलते रहे हैं, फिर भी समाज में इनकी ऐसी स्वीकृति और मान्यता का होना यूँ ही नहीं संभव हुआ है। इसके पीछे राजनैतिक पार्टियों का स्वार्थ, चुम्बक की तरह चिपका हुआ है। बाबाओं की अंधभक्त भीड़ से आसान वोटबैंक और कहाँ मिलेगा? इसी स्वार्थवश बाबा और राजनैतिक पार्टियाँ एक ही सिक्के के दो पहलू बन अन्धविश्वासी वोट-बाजार में अपनी मांग बनाये हुए हैं।

इंदिरा गाँधी का धीरेन्द्र ब्रह्मचारी के चरणों में बैठे रहना और चंद्रास्वामी का तंत्र मंत्र आधारित राज ढोंग भारत की जनता देख चुकी है। वहीँ सत्य साईंबाबा, आशाराम, रामपाल, गुरमीत राम रहीम, जैसे बाबाओं को कांग्रेस, भाजपा, और अन्य कई राजनैतिक दलों का संरक्षण प्राप्त होता रहा है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पार्टी ने बलात्कारी-हत्यारे रामरहीम का सार्वजनिक धन्यवाद ज्ञापन किया था।

धूर्त राजनैतिक दलों के दलाल की शक्ल में संत बन घूमने वाले बाबाओं का मुख्य उद्देश्य समाज को बरगलाते रहने का है। वरना श्री श्री रविशंकर और रामदेव के बयान यूँ ही नहीं आते कि राम मंदिर नहीं बना तो देश सीरिया हो जाएगा। भाजपा सरकार से पहले रामदेव काले धन को हिंदुस्तान लाने के लिए तड़प रहा था पर मोदी सरकार आते ही रामदेव खुद काला धन की हिफाजत पर कुंडली मार कर बैठा व्यवसायी नाग बन गया।

श्री श्री रविशंकर पर एन जी टी के सख्त आदेश के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और केजरीवाल तक का उसके पर्यावरण विरोधी कार्यक्रम में जाना कोई मामूली बात नहीं। इन बाबाओं के कुकर्मो पर पर्दा डालने के एवज में सरकारें अपना उल्लू सीधा करती हैं। और ये धर्मगुरु काल्पनिक युगों की गप्पें सुना सुना कर इस युग में जनता के अंधविश्वास को बनाये रखते हैं, जो कि सिर्फ और सिर्फ इनक राजनीतिक आकाओं के हित में होता है।

हरियाणा सरकार के मंत्री विपुल गोयल के पास फरीदाबाद की समस्याओं के लिए न वक्त है न नीयत पर ऐसे मुरारियों के बीन की धुन पर गोयल साहब नागिन की तरह डोलते नजर आये। इनसे पूछा जाना चाहिए कि जनता ने इनको चुन कर मंत्री किसके लिए बनाया हैं? ये इफरात बिजली-पानी जो मुरारी बापू उड़ा रहे हैं तब कहां चला जाता है जब आमजन इसके लिए चीत्कार कर रहा होता है? पुलिस तब क्यों नहीं ट्रैफिक संभालती जब आमजन को सडकों पर इसकी जरूरत होती है? मानो ये सब सरकारी कृपाएं इन बाबाओं के लिए ही बनी हैं।

राम कथा में पता चला कि काले धन का रंग काला ही नहीं होता। इसे पानी की शक्ल देकर बोतलों में भक्तों में बाँट दिया जाता है, वो भी बेहिसाब। 60 रुपये मूल्य की इन आधा लीटर बोतलों के 9 दिन का हिसाब पचास लाख रुपये बनता है। इन्हीं को पी-पी कर अंधविश्वास के नीव की तराई हमारा समाज कर रहा है, और आशा करता है कि इसी पक्की नीव पर मुरारी बापू के माध्यम से उनका भविष्यनिर्माण सतयुग से आ कर राम या कृष्ण कर देंगे। ये अंधविश्वास के इन दलालों का ही कमाल है कि भाजपा सरकार के नेता आये दिन मोदी और अमित शाह को राम-लक्ष्मण का अवतार बताते फिरते हैं।

पंडाल में बैठे नहाये धोये, मानव रचना विश्वविद्यालय की बसों से आये तथाकथित पढ़े लिखों से ज्यादा ज्ञानी बाहर कुल्चे छोले बेचने वाला अनपढ़ बच्चा निकला। छोलों में कितना मसाला हो, इसके साथ वो ये भी जानता है, उसी के शब्दों में, ये सब बाबा और मंत्री, लूट और लाशों के ढेर पर बैठ कर ऊँचे उठे हैं जिसका जीता जागता सबूत रामरहीम, आशाराम, और नेतागण हैं।

मुझे तो इस कुल्चे वाले का प्रवचन समाज हित में प्रतीत होता है, बशर्ते समाज मेहनतकशों की बात सुने जो कहीं रेहड़ी लगाने के भी दाम भरते हैं और साथ ही 20 रुपये प्लेट कुल्चे के साथ असल ज्ञान भी देते हैं।

रामदेव सब कुछ बेच सकता है... आपका डेटा चुराने को अब लाया किंभो मोबाइल एप

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

ठग गुरु रामदेव ने पहले मोबाइल सिम लॉन्च की और अब वॉट्सएप मैसेंजर एप को टक्कर देने के लिए मार्केट में पतंजली ब्रांड का किंभो नाम का एप उतार दिया। हालांकि, पतंजलि का यह किंभो अन्य एप का कॉपी पेस्ट तो है ही, लेकिन साथ में सुरक्सिषा के हिसाब बहुत खतरनाक है। फ्रांस के जाने-माने साइबर एक्सपर्ट एलिओट एल्डर्सन ने दावा किया है कि किंभो एप आपका डेटा चुराने के लिए बनाई गई है। आपकी सुरक्षा और निजता अपने आप में एक चिंता का विषय है।

किंभो के लॉन्च के बाद एल्डर्सन ने ट्वीट कर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होने बताया कि 0001 और 9999 के बीच एक सुरक्षा कोड चुनना और इसे अपनी पसंद की संख्या को भेजना संभव है। एल्डर्सन ने कहा है कि इस एप का डिस्क्रिप्शन और किंभो के ऑथेंटिफिकेशन के लिए ओटीपी फोर्मेट एसएमएस 'बोलो' (Bolo) एप का कॉपी है।

बता दें कि इससे पहले भी एल्डर्सन दावा कर चुके हैं कि पीएम मोदी का एप भी बोलो एप का ही कॉपी पेस्ट है। इसी तरह उन्होंने आधार डेटा लीक के बारे में भी भारत की जनता को बताया कि कैसे तमाम कंपनियों ने आधार से हमारा-आपका डेटा चोरी किया है।

एल्डर्सन ने सुरक्षा के हिसाब से किंभो पूरी तरह से खतरनाक बताया है और कहा है कि कोई भी और बहुत ही आसानी से इस एप को एक्सेस कर सकता है। बाबा का यह स्वदेशी एप लॉन्च होते ही करीब 50 हजार लोगों ने इस डाउनलोड कर दिया, लेकिन कुछ ही घंटों के बाद किंभो गूगल प्लेस्टोर से गायब हो गया। किंभो बिल्कुल स्वदेशी ऐप है, जो भारत में 200 मिलियन यूजर वाले वॉट्सएप को टक्कर देने के लिए मैदान में उतरा गया है। हालांकि, इस एप को लेकर ज्यादातर लोगों ने नेगेटिव रिव्यू ही दिया है। किंभो को डाउनलोड करने के बाद कई लोग परेशानी झेल रहे हैं, परंतु पतंजलि की तरफ से अभी तक कोई ब्यान जारी नही हुआ है।

पतंजलि के उत्पादों के बारे में आप लोगों को बार-बार सतर्क किया जा रहा है। दरअसल पतंजलि की मदद भारत सरकार भी कर रही है। पिछले दिनों पतंजलि के संकेत पर दुनिया की सबसे बड़ी आयुर्वेद कंपनी डाबर को घेरने की कोशिश की गई।

अगर भारत की सबसे पुरानी आयुर्वेदिक कंपनी डाबर चोर है तो ठग्गू बाबा की कंपनी महाचोर है। ...पता नहीं किसके आदेश पर एक जाँच एजेंसी (ईडी) ने डाबर के डायरेक्टर प्रदीप बर्मन के घर छापा मारा है। दावा किया गया कि 21 करोड़ का मामला पकड़ा गया।...

सोचिए ज़रा 21 करोड़...हज़ारों करोड़ लेकर भागने वाले और सैकड़ों करोड़ की चोरी करने वाले ठग्गू बाबा पर नकेल नहीं कस सकते लेकिन साफ़ सुथरा काम करने वाले डाबर और बर्मन फ़ैमिली पर शिकंजा सिर्फ़ ठग्गू की कंपनी को फ़ायदा पहुँचाने के लिए कसा जा रहा है। आपको मैगी का केस याद है। ठग्गू की कंपनी की मैगी बिकवाने के लिए कैसे मार्केट पर क़ब्ज़े की कोशिश की गई।...नेस्ले की मैगी के सैंपल देशभर में फ़ेल हो गए थे। लेकिन नेस्ले तो इंटरनैशनल कंपनी है। उसने वापसी की और उसकी मैगी का मार्केट पर फिर से क़ब्ज़ा हो गया। मैगी अच्छी है या बुरी अभी हम यहाँ उसकी चर्चा नहीं कर सकते।

दरअसल, हाल ही में डाबर ने आयुर्वेदिक मार्केट में ज़ोरदार वापसी की है। ठग्गू गुरू की कंपनी की मार्केट गिरी है। उसके कुछ प्रोडक्ट धीरे धीरे बिकना बंद हो रहे हैं। जबकि डाबर के तमाम प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ी है। उसने फ़ोर्टिस को ख़रीदने के लिए बिड लगाई है जो मंज़ूर भी हो गई है। ठग्गू गुरू से यह सब हज़म नहीं हो रहा है। ठग्गू और सरकार का रिश्ता जगज़ाहिर है। सरकार राज हो तो ठग्गू टैक्स चोरी तो क्या पूरे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को ही चलाने लगे। ...बहरहाल, जिस आधार पर डाबर पर कार्रवाई हो रही है उस आधार पर ठग्गू बाबा की कंपनी पर भी एक्शन बनता है। हाल ही मे ठग्गू की कंपनी के देसी घी में मिलावट मिली, सरसों के तेल में मिलावट मिली लेकिन किसी एजेंसी की हिम्मत नहीं हुई की शलवार पहन कर भागने वाले इस धूर्त बाबा पर कोई कार्रवाई करता।...

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें:

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5**
2. **प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड**
3. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन**
4. **5 ई-18 नरेन्द्र बुक सेन्टर - 9810229192**
5. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे**
6. **राम खिलावन बल्लबगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने**
7. **हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास**
8. **जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207**
9. **सिंगला मेडिकल स्टोर, जवाहर कॉलोनी, डिस्पोजल चौक**
10. **आरसीएम स्टोर, बाबा बालकनाथ मंदिर वाली गली, जवाहर कालोनी, फ़रीदाबाद**